B.A Part 1 - Subsidiary

Law कानून

राजनीतिशास्त्र में कानून की अवधारणा का महत्वपूर्ण स्थान है शासन, किसी भी राज्य के संगठन में विशिष्ट योगदान देता है इसकी अनुपस्थिति में एक व्यवस्थित राज्य तथा समाज की हम कल्पना नहीं कर सकते है। समाज की शांति और नैतिकता के सन्दर्भ में ही व्यक्ति कानून का पालन करता है। कानून अंग्रेजी शब्द लॉ (LAW) का हिन्दी रूपांतर है और LAW शब्द ट्यूटॉनिक धातु (Lagu) से निकला है जब इसका प्रयोग विज्ञान के क्षेत्र में किया जाता है तब इसका अर्थ ऐसे नियमों और सिद्धांतों से होता है - जैसे Law of gravitation, Law of motion आदि। आचारशास्त्र में कानून का प्रयोग मनुष्य के व्यवहार के सम्बन्ध में किया जाता है। जब हम इस अर्थ में इसका प्रयोग करते हैं तब यह सत्कर्म और दुष्कर्म, सत्य और असत्य भला और बुरा इत्यादि का विवेचना करते हैं। कानून शब्द का प्रयोग अनेक और सामाजिक क्षेत्रों में अलग-अलग अर्थों में किया जाता है। सामाजिक कानून का संबंध, समाज का संगठन सामाजिक परंपराएँ तथा सामाजिक रीति-रिवाजों से है इनके उल्लंघन करने पर कड़क के हिसाब से दण्ड दिया जाता है

राजनीति शास्त्र में कानून का प्रयोग एक विशेष अर्थ में किया जाता है। इस विषय के अन्तर्गत केवल उन नियमों पर विचार किया जाता है जिनपर विचार राज्य के द्वारा होता है और जिनके पीछे राज्य की शक्ति होती है। In short कानून से उन नियमों, प्रथाओं, रीति-रिवाजों या परंपराओं का बोध होता है जिनका निर्माण या तो राज्य द्वारा होता है या जिन्हें राज्य द्वारा मान्यता या स्वीकृति दी जाती है Hugo Krabbe के अनुसार कानून का पालन दण्ड के भय से नहीं वरन उसका पालन हम इसलिए करते हैं कि हम उसे न्यायोचित और अच्छा समझते हैं

Definition of Law - कानून राजनीतिशास्त्र का एक ऐसा विवादास्पद विषय है जिसपर विभिन्न विद्वानों ने विभिन्न रूप से विचार किया है कानून की एक सर्वसम्मत परिभाषा देना आसान काम नहीं है। पोलॉक ने सही कहा है कि कानून की परिभाषा करना संभव नहीं है। Austin - Law is the Command of the Sovereign. W. Wilson के अनुसार कानून स्थिति, विचार तथा स्वभाव का वह अंश है जिसे सरकार की शक्ति लागू करती है। Green (ग्रीन) - कानून अधिकारों एवं कर्तव्यों की उस पद्धति को कहते हैं जिसको सरकार लागू करती है

Scanned with Cam

MAX WEBAR के अनुसार कानून समाज द्वारा स्वीकृत वे नैतिक निर्देश है जिनको मानने के लिए बाध्य किया जाता है और उनके उल्लंघन होने पर राज्य कर्मचारी द्वारा दण्ड दिया जाता है।

HOLLAND के अनुसार "कानून मनुष्यों के आचरण का साधारण नियम है जो केवल बाहरी आचरण पहचानता है और किसी निश्चित सत्ता द्वारा लागू किया जाता है, और वह सत्ता मानवीय हो तथा मानवीय सत्ताओं में भी वह जिसे राजनीतिक समाज में सर्वोच्च शक्ति सम्पन्न माना जाता है।

इस प्रकार स्पष्ट है कि 'कानून' शब्द की अनेक परिभाषाएँ दी गई हैं जिनके आधार पर हम कह सकते हैं कि सचमुच कानून परंपरागत या राज्य द्वारा निर्मित वे लिखित या अलिखित नियम है जो मानव के बाहरी आचरण नियमन कर समाज में शांति एंव सुव्यवस्था बनाए रखते हैं।

Essential Elements of Law कानून के आवश्यक तत्व

कानून के अर्थ एंव परिभाषाओं के विश्लेषण से यह स्पष्ट है कि कानून में अनेको तत्वों का रहना आवश्यक है

(i) कानून केवल नागरिक समाज में ही लागू हो सकता है
(ii) कानून एक सामान्य नियम है
(iii) कानून मानव के बाहरी आचरण से सम्बद्ध है।
(iv) कानून का निर्माण संप्रभु-शक्ति द्वारा होता है।
(v) कानून के पीछे राज्य की शक्ति रहती है।
(vi) कानून का उद्देश्य सार्वजनिक हित है।

Aims of Law कानून के उद्देश्य:— कानून सामाजिक व्यवस्था की एक महत्वपूर्ण आधारशिला है कानून की अनुपस्थिति में समाज में अराजकता फैलने की आशंका रहती है। हम कानून का पालन उसकी उपयोगिता को ध्यान में रखकर ही करते हैं हम कानून के उद्देश्यों को अग्रांकित रूप में रख सकते हैं।

(i) राज्य का शासन संचालन (ii) मतभेदों और झगड़ों का निपटारा (iii) नागरिक कल्याण तथा व्यक्तित्व का विकास (iv) शांति-सुव्यवस्था की स्थापना करना (v) स्वतंत्रता तथा समानता की रक्षा (vi) न्याय की समाप्ति उपर्युक्त लिखित संक्षेप में कानून के उद्देश्य समझना अनिवार्य है।

कानून शब्द का अर्थ को और विस्तार से समझने के लिए कानून का स्रोत- Sources of Law- राज्य की तरह कानून भी इतिहास का उपज है, कानून के स्रोत का अर्थ उन साधनों से है जो प्रत्यक्ष रूप से कानून के निर्माण में सहायक होते हैं। आज कानून के

Scanned with Cam

निर्माण में विधानमंडलों - संसदों का विशेष हाथ रहता है लेकिन इनके अलावा भी बहुत से ऐसे स्रोत रहते हैं जो कानून के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं वे स्रोत हैं। - (1) रिति - रिवाज Custom (2) धर्म Religion (3) न्यायालयों के निर्णय (4) वैज्ञानिक टीकाएं Scientific Commentaries (5) औचित्य Equity (6) Case Laws न्यायानुकरण और (7) Legislation विधायन।

कानून का वर्गीकरण Classification of Laws को यदि हम समझने का प्रयत्न करेंगे तो कानून शब्द को समझने में सहायक होगा।

राजनीति शास्त्र के कुछ विद्वानों ने कानून का वर्गीकरण शासक और शासित के संबंधों को, कुछ ने इसके उद्गम स्थल को तथा, कुछ ने अंतरराष्ट्रीय के तत्व को ध्यान में रखकर किया है मैकियर ने अपनी पुस्तक Modern State में कानून का Classification किया है जो इस प्रकार है।

National Law राष्ट्रीय कानून, International Law अंतरराष्ट्रीय कानून Constitutional law, साधारण कानून, सार्वजनिक कानून, व्यक्तिगत कानून प्रशासकीय कानून, सामान्य कानून।

लास्की ने एक जगह कहा है कि प्रत्येक कानून आदेश ही नहीं होते अनुरोध भी है अतएव निष्कर्ष के रूप में यह कहा जा सकता है कि जिन कानूनों से हमारी क्रियात्मक और प्रेरक शक्तियों को स्वाभाविक विकास का अवसर मिलता है और जो बिना भेदभाव के सबको आत्मविकास का सुअवसर प्रदान करते हैं, वास्तव में वे स्वतंत्रता का पोषण एवं संवर्धन करते हैं। अतएव कानून के बिना स्वतंत्रता नहीं।

Scanned with Cam